शिक्षकों ने सीखी रिंगाल हस्तशिल्प की बारीकी

रिंगाल हस्तशिल्प प्रशिक्षण के समापन पर शिक्षक। संवाद

बड़कोट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट में माध्यमिक विद्यालयों के कला शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय रिंगाल हस्तशिल्प प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्थानीय हस्तशिल्प को विद्यालयी शिक्षा से जोड़ना और शिक्षकों के सृजनात्मक व तकनीकी कौशल को विकसित करना रहा। डायट प्राचार्य संजीव जोशी ने कहा कि हस्तशिल्प आधारित गतिविधियों से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, समस्या समाधान और व्यावहारिक कौशल विकसित होते हैं। कार्यक्रम समन्वयक गोपाल सिंह राणा ने कला शिक्षा को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षक विनोद कुमार और प्रकाश लाल ने प्रतिभागियों को रिंगाल शिल्प की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान मो. अरशद अंसारी, टीकाराम सिंह रावत, बबिता सजवाण मौजूद रहे। संवाद

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट उत्तरकाशी
हस्तशिल्प प्रशिक्षण
माध्यमिक विद्यालयों के कला अध्यापकों हेतु
दिनांक : 15 सितम्बर से 19 सितम्बर 2026 तक

REDMI NOTE 9 PRO MAX
AI QURD CAMERA

डायट बड़कोट में पांच दिवसीय 'रिंगाल हस्तशिल्प' प्रशिक्षण आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बडकोट / उत्तरकाशी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट, उत्तरकाशी में कला शिक्षा को बढ़ावा देने तथा स्थानीय हस्तशिल्प को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद उत्तरकाशी के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत कला शिक्षकों हेतु पाँच दिवसीय 'रिंगाल हस्तशिल्प' प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण के अवसर पर संस्थान के प्राचार्य श्री संजीव जोशी ने कला एवं हस्तशिल्प शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हस्तशिल्प आधारित गतिविधियाँ विद्यार्थियों में सृजनात्मकता,

■ कला शिक्षकों ने सीखी पारंपरिक हस्तशिल्प तकनीकें

विश्लेषणात्मक सोच, समस्या-समाधान क्षमता तथा व्यावहारिक कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कला एवं हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई तकनीकों को विद्यालयों तक पहुँचाते हुए विद्यार्थियों को स्थानीय कला, संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का प्रयास करें। कार्यक्रम समन्वयक गोपाल सिंह राणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 तथा विद्यालयी शिक्षा हेतु राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2025 के संदर्भ में कला शिक्षा के महत्व पर प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने बताया कि कला शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होने के साथ-साथ विभिन्न विषयों को बेहतर ढंग से समझने के लिए कला-एकीकृत शिक्षा (।तज प्दजमहतंजमक म्कनबंजपवद) का प्रभावी माध्यम बन सकती है। उन्होंने स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक शिल्प को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कला शिक्षकों ने रिंगाल क्राफ्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षणार्थियों ने रिंगाल का उपयोग करते हुए आकर्षक टोकरियाँ, पेन स्टैंड, ज्यामितीय आकृतियां, फूलदान तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं एवं विभिन्न कलात्मक आकृतियों का निर्माण किया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक शिल्प के माध्यम से शिक्षण-सामग्री तैयार करने की तकनीकों से भी परिचित कराया गया।

इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य मो. अरशद अंसारी, टीकाराम सिंह रावत, बबिता सजवाण आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड सरकार
बड़कोट, उत्तरकाशी
हस्तशिल्प प्रशिक्षण
[माध्यमिक विद्यालयों के कला अध्यापकों हेतु]
दिनांक : 15 सितम्बर से 19 सितम्बर 2026 तक
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
REDMI NOTE 9 PRO MAX
AI QURD CAMERA